विशेष विवरण

13/3/19 — यह वाद वादी की ओर से एड० श्री दीपचन्द महावर के अन्तर्गत धारा 53/188 RT Act के तहत पेश किया। वाद दर्ज रजिस्टर हो। वकील कैवियट कर्ता की भावी पेशी दिनांक 19/3/19 को पेश हो।

19/3/19 — कैम्प कार्य में व्यस्त है। 29/3/19

प्रा०पत्र 07R11CPC का पेश किया। पो० अधि० (उ)

29/3/19 — पत्रावली पेश हुई, अधिवक्ता संघ द्वारा कण्डोलेंस / कार्य बहिष्कार करने पर पत्रावली पूर्वानुसार 1/4/19 पेश हो।

1/4/19 — पत्रावली पेश हुई। वादी स्वयं उपस्थित। वादी ने मय वकील एक प्रार्थना पत्र वाद पत्र व अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र को विड्रा किये जाने का पेश किया। वादी की पहचान उनके वकील श्री दीपचन्द महावर ने की। प्रार्थना पत्र में अंकित किया कि उपरोक्त प्रकरण विड्रा करना चाहता है तथा

द: गट्टूराम
Identified by
(दीपचन्द महावर)

फर्द अहकाम

मथूराम बनाम भैरूराम

नाम न्यायालय

केस संख्या 32/2019

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से
		उसके स्थान पर नया दावा पेश करना चाहता है। प्रार्थी के नया दावा पेश करने के अधिकार को सुरक्षित/आरक्षित रखते हुऐ प्रकरण को विड्रा किया जावे।
		पत्रावली का अवलोकन किया। वादी के कथनों पर विचार किया। वादी के नया दावा पेश करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुऐ वाद को विड्रा करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है तथा वाद खारिज किया जाता है।
		पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से नाम हो बाद पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।
		[signature]

Signature Not Verified
Digitally signed by Vishwamitra Meena
Date: 2020.02.24 13:23:35 IST
Reason: SelfAttested
Location: